Patrika (Indore), 25th February 2026, Page – 04

आइआइटी इंदौर का ग्रामीण क्षेत्र में प्रशिक्षण

जैविक खेती की आधुनिक तकनीक और फसल प्रबंधन के तरीके सिखाए

इंदौर@ पत्रिका. गांव की आजीविका को मजबूत बनाने की दिशा में आइआइटी इंदौर ने कदम बढ़ाया है। संस्थान के ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) ने सिमरोल ब्लॉक के नयागांव में दो दिनी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। 21 और 22 फरवरी को गोशाला परिसर में हुए प्रशिक्षण में 95 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य गांवों में ऐसे कौशल विकसित करना था, जिनसे लोगों की आय बढ़ सके और रोजगार के नए अवसर तैयार हों।

प्रशिक्षण में तीन प्रमुख विषयों पर फोकस किया गया जैविक खेती की आधुनिक तकनीक, स्थानीय निर्माण सामग्री का बेहतर उपयोग और फसल कटाई के बाद भंडारण और प्रबंधन के तरीके। किसानों को बताया कि किस तरह रसायनों पर निर्भरता कम कर जैविक

तरीकों से बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। निर्माण से जुड़े सत्रों में कम लागत में टिकाऊ निर्माण की जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की डीएसटी-एसईईडी परियोजना के तहत आयोजित किया गया। इसका मकसद तकनीक को सीधे गांव तक पहुंचाना और उसे स्थानीय जरूरतों के अनुरूप ढालना है। संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा, तकनीक तभी सार्थक है जब वह समाज की वास्तविक जरूरतों को पूरा करें।